परास्नातक कार्यक्रम
एम.ए. संस्कृत ऑनलाइन कार्यक्रम
(**MSKOL**)

पाठ्यक्रम – MSK - 002
संस्कृत व्याकरण

सत्रीय कार्य
(जुलाई–2025 एवं जनवरी–2026 सत्र के लिए)

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

संस्कृत व्याकरण

पाठ्यक्रम कोड : **MSK –002/2025–2026**

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (**TMA**) है । सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं । सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे ।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं । यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें ।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए ।

2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

<u>सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि</u>

जुलाई 2025 सत्र के लिए : 31 मार्च, 2026

जनवरी 2026 सत्र के लिए : 30 सितंबर, 2026

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययनः सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए ।
2. अभ्यासः उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुतिः जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

संस्कृत व्याकरण
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : MSK –002
पाठ्यक्रम शीर्षक : संस्कृत व्याकरण
सत्रीय कार्य : MSK –002 / 2025–2026

पूर्णांक : 100
नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

1. 'रामेण' पद की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए। 10

   अथवा

   बहुवचने झल्येत् : सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या एवं 'रामेभ्यः' शब्द की सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

2. 'पितृ' शब्द के सभी विभिक्तियों में रूप लिखिए एवं मति शब्द के समान चलने वाले किन्हीं पांच इकारान्त स्त्रीलिंग शब्दों का उल्लेख कीजिए। 10

   अथवा

   'अस्मद्' शब्द के सभी विभिक्तियों में रूप लिखिए एवं वारि शब्द के समान चलने वाले किन्हीं पांच ह्रस्व इकारान्त नपुंसकलिंग शब्दों का उल्लेख कीजिए।

3. 'ध्रवमपायेऽपादानम्' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 10

   अथवा

   'साधकतमं करणम्' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

4. **'तण्डुलान् ओदनं** पचति' के रेखंकित पद में प्रयुक्त विभक्ति के विधायक सूत्र का उल्लेख करते हुए उदाहरण वाक्य को स्पष्ट कीजिए। 10

   अथवा

   'ग्रामम् अजां नयति' रेखंकित पद में प्रयुक्त विभक्ति के विधायक सूत्र का उल्लेख करते हुए उदाहरण वाक्य को स्पष्ट कीजिए।

5. (क) भवन्ति अथवा भवामः की सिद्धि प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक स्पष्ट करें। 05

   (ख) सार्वधातुकार्धधातुकयोः अथवा अतो दीर्घो यञि सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 05

6. (क) वभूव अथवा भवितारौ की सिद्धि प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रो का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। 05

   (ख) अभवः अथवा भविष्यसि की सिद्धि प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रो का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। 05

7. (क) एधते अथवा एधाञ्चक्राते की सिद्धि प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रो का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए। 05

   (ख) हेतुमति च अथवा नित्यंकौटिल्ये गतौ सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 05

8. (क) बोभूयाञ्चक्रे अथवा पिपठिषति की सिद्धि प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। 05

(ख) सन्यङोः अथवा कर्तरि शप् सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 05

9. कृत्य अथवा कृत् प्रत्ययों पर टिप्पणी लिखिए। 10

10. अपत्यार्थक तद्धित प्रत्ययों पर टिप्पणी लिखिए। 10